बिजनेस क्रेडिट के लिए संपार्श्विक आवश्यकता को कम करने हेतु अंत:-कालिक परिकलित ट्रस्ट डिजाइन

सीलू मुदुली और श्रीधर कुमार दाश ने स्पष्ट किया है कि सूचना में असमरूपता और संपार्श्विक की कमी के कारण क्रेडिट का नियंत्रित वितरण क्रेडिट बाजारों में देखी जाने वाली एक चिर-परिचित आर्थिक बाधा होती है। एक अंत:-कालिक प्रोत्साहनपरक भुगतान संरचना प्रस्तुत करते हुए यह आलेख विश्वसनीयता (नपा-तुला विश्वास) के आयामों पर प्रकाश डालता है। यह संरचना आर्थिक एजेंटों को प्रेरित करेगी कि वे किसी प्रोजेक्ट के बारे में उपलब्ध निजी जानकारी इकट्ठा करें अथवा यह पता करें कि प्रोजेक्ट के वित्तपोषण के लिए जो ऋण दिया गया है, उसकी चुकौती का इरादा है या नहीं। यह मॉडल संपार्श्विक की आवश्यकता का आकलन उधारकर्ता की विश्वसनीयता के आधार पर गतिशीलतापूर्वक करता है। अनुकरण परिणामों से भी यही निष्कर्ष निकलता है कि विश्वास बन जाने से संपार्श्विक की आवश्यकता को कम करने में छोटे कारोबारियों को सहायता मिलती है।